बी.एच.आई.सी.-104 : मध्यकालीन विश्व की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पैटर्न
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BHIC-104**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एच.आई.सी. -104 /ए.एस.एस.टी./TMA/2026-2027**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) रोमन गणतंत्र की विभिन्न श्रेणियों में टकराव की व्याख्या कीजिए। 20

2) यूरोप में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषता क्या थी? 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3) रोमन जगत के कुछ लोगों ने प्रारंभिक ईसाई धर्म को जूडावाद (श्रनकंपेउ) धर्म के एक सम्प्रदाय के रूप में क्यों समझा? 10

4) लार्ड और वसाल के मध्य क्या संबंध थे? 10

5) इस्लाम–पूर्व अरब के सामाजिक ढांचे का वर्णन कीजिए। 10

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित लघु श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6) मैनर 6

7) हेनरी पिरेन 6

8) अब्बासी प्रशासनिक ढांचा 6

9) रोमन कला 6

10) इंका अर्थव्यवस्था 6

1) रोमन गणतंत्र की विभिन्न श्रेणियों में टकराव की व्याख्या कीजिए। 20

उत्तर

रोमन गणतंत्र का इतिहास केवल सैनिक विजय और राजनीतिक संस्थाओं का इतिहास नहीं है। उसमें समाज की विभिन्न श्रेणियों के बीच सत्ता, भूमि, अधिकार तथा प्रतिष्ठा के लिए लंबे संघर्ष भी हुए। सामान्यतः रोमन गणतंत्र की स्थापना 509 ईसा पूर्व के आसपास मानी जाती है। राजतंत्र हटने के बाद सर्वोच्च पदों का नियंत्रण मुख्यतः अभिजात परिवारों के हाथ में रहा। समय के साथ सामान्य नागरिकों, किसानों, व्यापारियों, सैनिकों और दासों के हितों के बीच असमानताएँ खुलकर सामने आईं। इन्हीं तनावों ने रोमन कानून और शासन को लगातार बदला।

पैट्रीशियन और प्लेबियन के बीच संघर्ष

गणतंत्र के आरंभ में पैट्रीशियन प्रतिष्ठित वंशों से जुड़े अभिजात लोग थे। वे सीनेट, पुरोहित पदों और उच्च मजिस्ट्रेट पदों पर प्रभाव रखते थे। प्लेबियन वर्ग में साधारण कृषक, कारीगर, व्यापारी और विभिन्न आर्थिक स्थिति वाले नागरिक आते थे। इसलिए प्लेबियन केवल निर्धन वर्ग का नाम नहीं था; उनमें संपन्न लोग भी थे जिन्हें राजनीतिक समानता नहीं मिली थी। किसान सैनिकों को युद्ध में भाग लेना पड़ता था, जबकि अनुपस्थिति में उनकी खेती और ऋण की समस्याएँ बढ़ती थीं। ऋणग्रस्त व्यक्ति पर कठोर नियंत्रण तथा सार्वजनिक भूमि के असमान उपयोग ने असंतोष को तीव्र किया।

प्लेबियनों ने सामूहिक दबाव के लिए अलग हटने या ‘सेसेशन’ का तरीका अपनाया। परंपरा के अनुसार 494 ईसा पूर्व के संघर्ष के बाद उनके हितों की रक्षा के लिए जन-ट्रिब्यून का पद विकसित हुआ। ट्रिब्यून को नागरिकों की रक्षा करने और कुछ सरकारी निर्णयों को रोकने का अधिकार मिला। प्लेबियन परिषद ने भी सामूहिक राजनीतिक आवाज का रूप लिया। ये परिवर्तन दर्शाते हैं कि रोमन समाज के संघर्ष केवल हिंसक विद्रोह नहीं थे; उन्होंने नई संस्थाओं की रचना भी की।

कानूनी समानता और पदों तक पहुँच

पैट्रीशियन नियंत्रण का एक कारण कानूनों की व्याख्या पर उनका एकाधिकार था। बारह पट्टिकाओं के कानून, जिन्हें लगभग 451–450 ईसा पूर्व से जोड़ा जाता है, ने सार्वजनिक रूप से लिखित